**International Research Journal of Human Resources and Social Sciences**
ISSN(O): (2349-4085) ISSN(P): (2394-4218)
**Impact Factor-** 5.414, Volume 5, Issue 3, March 2018
**Website-** www.aarf.asia, **Email** : editor@aarf.asia , editoraarf@gmail.com

# माध्यमिक स्तर की छात्राओं की कैरियर प्राथमिकता पर बुद्धि के प्रभाव का अध्ययन

**उपमा सिंह**
शोधार्थी, शिक्षा विभाग
आर.के.डी.एफ. विश्वविद्यालय, भोपाल (म.प्र.)
**डॉ. अनामिका पाण्डेय**
प्राध्यापक, शिक्षा विभाग
आर.के.डी.एफ. विश्वविद्यालय, भोपाल (म.प्र.)

**प्रस्तुत शोध पत्र में माध्यमिक स्तर की छात्राओं की कैरियर प्राथमिकता पर उनकी बुद्धि के प्रभाव का अध्ययन किया गया है। न्यादर्श के रूप में 100 छात्राओं का चयन कर उन पर 'कैरियर प्राथमिकता रिकार्ड' एवं 'मिक्स्ड ग्रुप टेस्ट ऑफ इन्टेलिजंस' का प्रशासन किया गया तथा बुद्धि मापनी के प्राप्तांकों के आधार पर छात्राओं को उच्च तथा निम्न वर्गों में विभाजित करके छात्राओं की कैरियर प्राथमिकता के विभिन्न क्षेत्रों में रूचि पर बुद्धि के प्रभाव का अध्ययन किया गया। प्राप्त परिणामों के अनुसार माध्यमिक स्तर की उच्च एवं निम्न बौद्धिक स्तर वाली छात्राओं के मध्य कैरियर प्राथमिकता के दूरसंचार व पत्रकारिता, कला व प्रारूप, कृषि, वाणिज्य व प्रबंध, रक्षा, पर्यटन व सत्कार उद्योग, कानून व व्यवस्था, शिक्षा क्षेत्रों में रूचि में सार्थक अंतर नहीं पाया गया जबकि कैरियर प्राथमिकता के विज्ञान व तकनीकी, चिकित्सा क्षेत्रों में रूचि में सार्थक अंतर पाया गया तथा उच्च बौद्धिक स्तर वाली छात्राओं में, निम्न बौद्धिक स्तर वाली छात्राओं की तुलना में कैरियर प्राथमिकता के विज्ञान व तकनीकी, चिकित्सा क्षेत्रों में बेहतर रूचि पाई गई।**

वर्तमान समय में 'नई पीढ़ी का कैरियर निर्धारण' ऐसा चर्चित विषय है जिसके बारे में लगभग सभी परिवारों में, मीडिया के सभी माध्यमों में और सरकार की विभिन्न नीतियों में चिंता और चिंतन हो रहा है। आज युवाओं की स्थिति चित्रकला के उस विद्यार्थी की तरह है, जो पहले प्रयास में मुक्त हस्त से कई रेखाएँ उकेर देता है मगर योग्य गुरू के सानिध्य के अभाव में वह यह नही जान पाता है कि इसमें से कौन सी रेखा गहरी करने पर मनचाही आकृति भरेगी। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि कैरियर से संबंधित तीनों पक्ष–विद्यार्थी, षिक्षक और अभिभावक कैरियर संबंधी सूचनाओं और भविष्य निर्धारण संबंधी रास्ते से अनभिज्ञ हैं। वैष्वीकरण के इस दौर में षिक्षा का पूरा परिदृष्य बदल गया है। ग्रेजुएषन और पोस्ट ग्रेजुएषन की डिग्री सीधे रोजगार की दृष्टि से बहुत कम उपयोगिता रखती है। अब प्रोफेषनल कोर्स और मार्केट से संबंधित कोर्स ही कैरियर की ऊँचाई दे पाते हैं। विडंबना है कि देष में षिक्षा के नए परिदृष्य और कैरियर की दिषाओं की अनभिज्ञता के कारण अनेक

**© Associated Asia Research Foundation (AARF)**
A Monthly Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International e-Journal - Included in the International Serial Directories.

छात्र–छात्राएं योग्यता और प्रतिभा होने के बावजूद सर्वोत्तम कैरियर विकल्प से वंचित रह जाते हैं। अतः कैरियर की विभिन्न दिषाओं संबंधी जानकारियां और मार्गदर्षन अभिभावकों एवं विद्यार्थियों को होना चाहिए।

वर्तमान समय में विद्याार्थियों के लिये उचित मार्गदर्शन प्रदान करने की आवश्यकता है जिससे वह सही व्यवसाय का चुनाव कर सकें। यदि विद्याार्थियों को यह ज्ञात नही होगा कि उनके लिये सही व्यवसाय कौन सा है तो वे दुविधा के शिकार हो जायेंगे। साथ ही यह आवश्यक है कि छात्र अपनी बुद्धि के अनुसार व्यवसाय या विषयों का चयन करे जिससे भविष्य में उसे सफलता प्राप्त हो सके। यदि विद्यार्थी अपनी बुद्धि स्तर से अधिक किसी ऐसे व्यवसाय का चुनाव करता है। जो उसके बुद्धि स्तर के अनुकूल नहीं है तो भविष्य में उसकी सफलता संदिग्ध हो जायेगी। अतः प्रस्तुत शोध का उद्देश्य माध्यमिक स्तर की छात्राओं का कैरियर के प्रति दृष्टिकोण जानकर उनकी कैरियर प्राथमिकता पर बुद्धि के प्रभाव का अध्ययन करना है।

प्रस्तुत शोध से संबंधित पूर्व में भी कुछ शोध कार्य किये गये हैं जैसे – **पाण्डे, ए. (1970)** ने अपने अध्ययन में पाया कि विशिष्ट किशोरों में सामान्य किशोरों की तुलना में बेहतर व्यवसायिक रूचि पायी गयी। आयु, शिक्षा तथा बुद्धि में वृद्धि के साथ व्यवसायिक रूचि में वृद्धि पाई गयी। **भारद्वाज, आर.एल. (1978)** ने अपने अध्ययन के निष्कर्षतः पाया कि बुद्धि, उच्च सृजनात्मकता स्तर पर व्यवसायिक रूचि का विकास करती है, मध्यम सामाजिक–आर्थिक स्तर पर बुद्धि व्यवसायिक रूचि का विकास करती है। **मैरी, जॉन (1981)** के अध्ययन के निष्कर्षतः ज्ञात हुआ कि किषोरों की व्यवसायिक रूचि का प्रत्यक्ष सम्बन्ध उनके सामाजिक–आर्थिक स्तर के साथ पाया गया। **कथुरिया, पी.आर. (1982)** के अध्ययन के निष्कर्षतः ज्ञात हुआ कि लड़के –लड़कियों की व्यवसायिक रूचि में सार्थक अंतर पाया गया। **तोमर, जे.पी.एस. (1985)** के अध्ययन के निष्कर्षतः ज्ञात हुआ कि छात्राओं की रूचि क्रमषः साहित्य, ललित कला, विज्ञान, हस्त षिल्प, खेल कूद, तकनीकी चिकित्सा, परिवार संबंधी एवं कृषि में पाई गई पाई गई। **शर्मा, एस. (1986)** के अध्ययन से निष्कर्षतः ज्ञात हुआ कि बुद्धिमान किषोरों ने वैज्ञानिक क्षेत्रों में उच्च रूचि प्रदर्षित की ऐसे ही परिणाम सृजनात्मक एवं प्रतिभाषाली किषोरों द्वारा रूचि के संदर्भ में प्रदर्षित किये गये। बुद्धिमान, सृजनात्मक एवं प्रतिभाषाली लड़को द्वारा उच्च रूचि कला, प्रषासन क्षेत्रों में प्रदर्षित की गई। **गौतम, विमलेश (1988)** के अध्ययन के निष्कर्षतः ज्ञात हुआ कि 8 वीं तथा 10 वीं दोनों कक्षाओं के छात्रों की षैक्षिक एवं व्यवसायिक रूचि में सहसबंध पाया गया। **भटनागर, एस. (1990)** ने अपने अध्ययन के निष्कर्षतः पाया कि छात्राओं ने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी पसंद व्यक्त की तथा व्यवसायिक चयन को सर्वाधिक प्रभावित उनकी रूचि ने किया। **यादव, आर. (1999)** ने अपने अध्ययन के निष्कर्षतः पाया कि उच्च बुद्धि वाले छात्र भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में कार्य अधिक पसंद करते हैं। सामान्य और सामान्य से निम्न बुद्धि वाले छात्र सभी क्षेत्रों में एक समान कार्य करना पसंद करते है। बुद्धि स्तर व्यवसायिक रूचियों को अत्यधिक प्रभावित करता है। **मोहपात्रा, मंजरी मंजुला (2004)** ने अपने अध्ययन के निष्कर्षतः पाया कि भौतिक विज्ञान, जीव विज्ञान तथा गणना के क्षेत्र में छात्राओं की रूचि छात्रों से सार्थक रूप से उच्च पाई गई, व्यापार के क्षेत्र में छात्र व छात्राओं की रूचि में सार्थक अंतर नहीं पाया गया जबकि कला के क्षेत्र में छात्रों की रूचि छात्राओं से सार्थक रूप से उच्च पाई गई। सभी 16 स्वतंत्र चरों का व्यक्तिगत योगदान विद्यार्थियों की व्यवसायिक रूचि के निर्धारण में पाया गया। **विकास, वरूण (2008)** ने अपने अध्ययन में पाया कि स्नातक स्तर पर लिंग एवं व्यवसायिक शिक्षा के आधार विद्यालयों के आधुनिकीकरण के प्रति अभिवृति में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया। **त्रिवेदी, दिव्या (2009)** ने अपने अध्ययन में पाया कि लड़के एवं लड़कियों की व्यावसायिक रूचियों में भिन्नता पाई जाती है। **बघेल, हेमलता एवं चतुर्वेदी, वंदना (2013)** ने अपने अध्ययन के निष्कर्षतः पाया कि माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की व्यवसायिक रूचि का सामाजिक–आर्थिक स्तर से सार्थक धनात्मक सहसंबंध पाया गया।

**उद्देश्य**

माध्यमिक स्तर की छात्राओं की कैरियर प्राथमिकता के विभिन्न क्षेत्रों पर उनकी बुद्धि के प्रभाव का अध्ययन करना।

**परिकल्पना**

माध्यमिक स्तर की छात्राओं की कैरियर प्राथमिकता के विभिन्न क्षेत्रों पर उनकी बुद्धि का सार्थक प्रभाव नहीं पाया जायेगा।

**उपकरण**

1. कैरियर प्राथमिकता रिकार्ड (C.P.R.) – डॉ. विवेक भार्गव व राजश्री भार्गव
2. मिक्स्ड ग्रुप टेस्ट ऑफ इन्टेलिजेंस (MGTI) – डॉ.पी.एन. मेहरोत्रा

**विधि**

पस्तुत शोध कार्य हेतु भोपाल शहर के माध्यमिक विद्यालयों की कक्षा दसवीं में अध्ययनरत् 100 छात्राओं का चयन यादृच्छिक न्यादर्श विधि द्वारा कर उन पर 'कैरियर प्राथमिकता रिकार्ड' तथा 'मिक्स्ड ग्रुप टेस्ट ऑफ इन्टेलिजेंस' का प्रशासन किया गया तथा बुद्धि मापनी के प्राप्तांकों के आधार पर छात्राओं को उच्च तथा निम्न वर्गों में विभाजित करके छात्राओं की कैरियर प्राथमिकता के विभिन्न क्षेत्रों पर बुद्धि के प्रभाव का अध्ययन करने हेतु मास्टर शीट तैयार की गई। मध्यमान, मानक विचलन एवं क्रांतिक अनुपात परीक्षण के द्वारा आंकड़ों का विश्लेषण किया गया एवं प्राप्त परिणामों के आधार पर निष्कर्ष प्राप्त किये गये।

**परिणामों का विश्लेषण**

**परिकल्पना** : माध्यमिक स्तर की छात्राओं की कैरियर प्राथमिकता के विभिन्न क्षेत्रों पर उनकी बुद्धि का सार्थक प्रभाव नहीं पाया जायेगा।

**तालिका**

**माध्यमिक स्तर की छात्राओं की कैरियर प्राथमिकता के विभिन्न क्षेत्रों पर बुद्धि के प्रभाव संबंधी तुलनात्मक परिणाम**

| कैरियर प्राथमिकता के क्षेत्र | बौद्धिक स्तर | संख्या | मध्यमान | मानक विचलन | क्रांतिक अनुपात मान | 'पी' मान |
|---|---|---|---|---|---|---|
| दूरसंचार व पत्रकारिता | उच्च | 53 | 8.70 | 4.38 | 1.75 | > 0.05 |
| | निम्न | 47 | 9.96 | 2.71 | | |
| कला व प्रारूप | उच्च | 53 | 9.17 | 4.29 | 0.60 | > 0.05 |
| | निम्न | 47 | 9.66 | 3.88 | | |
| विज्ञान व तकनीकी | उच्च | 53 | 10.47 | 4.45 | 2.03 | < 0.05 |
| | निम्न | 47 | 8.68 | 4.35 | | |
| कृषि | उच्च | 53 | 6.66 | 3.52 | 0.76 | > 0.05 |
| | निम्न | 47 | 6.15 | 3.18 | | |
| वाणिज्य व प्रबंध | उच्च | 53 | 5.75 | 4.14 | 0.90 | > 0.05 |
| | निम्न | 47 | 6.43 | 3.32 | | |
| चिकित्सा | उच्च | 53 | 9.38 | 4.61 | 2.09 | < 0.05 |
| | निम्न | 47 | 7.64 | 3.70 | | |
| रक्षा | उच्च | 53 | 6.06 | 3.96 | 1.04 | > 0.05 |
| | निम्न | 47 | 6.83 | 3.50 | | |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| पर्यटन व सत्कार उद्योग | उच्च | 53 | 8.85 | 3.87 | 1.94 | > 0.05 |
| | निम्न | 47 | 10.21 | 3.16 | | |
| कानून व व्यवस्था | उच्च | 53 | 9.30 | 4.63 | 1.83 | > 0.05 |
| | निम्न | 47 | 7.83 | 3.40 | | |
| शिक्षा | उच्च | 53 | 8.09 | 4.23 | 0.78 | > 0.05 |
| | निम्न | 47 | 7.49 | 3.56 | | |

स्वतंत्रता के अंश – 98 0.05 स्तर के लिये निधार्रित न्यूनतम मान – 1.98

उपरोक्त सारणी में प्रदर्शित परिणामों से स्पष्ट है कि माध्यमिक स्तर की उच्च एवं निम्न बौद्धिक स्तर वाली छात्राओं के मध्य कैरियर प्राथमिकता के दूरसंचार व पत्रकारिता, कला व प्रारूप, कृषि, वाणिज्य व प्रबंध, रक्षा, पर्यटन व सत्कार उद्योग, कानून व व्यवस्था, शिक्षा क्षेत्रों में सांख्यिकीय दृष्टिकोण से सार्थक अंतर नहीं है, क्योंकि इनके लिए प्राप्त क्रांतिक अनुपात के मान क्रमशः 1.75, 0.60, 0.76, 0.90, 1.04, 1.94, 1.83, 0.78 स्वतंत्रता के अंश 98 पर सार्थकता के 0.05 स्तर के लिये निर्धारित न्यूनतम मान 1.98 से कम हैं जबकि कैरियर प्राथमिकता के विज्ञान व तकनीकी, चिकित्सा क्षेत्रों में सांख्यिकीय दृष्टिकोण से सार्थक अंतर है, क्योंकि इन क्षेत्रों के लिए प्राप्त क्रांतिक अनुपात के मान क्रमशः 2.03, 2.09 स्वतंत्रता के अंश 98 पर सार्थकता के 0.05 स्तर के लिये निर्धारित न्यूनतम मान 1.98 से अधिक हैं।

अतः उपरोक्त परिणामों के आधार पर निष्कर्षतः कहा जा सकता है माध्यमिक स्तर की उच्च एवं निम्न बौद्धिक स्तर वाली छात्राओं के मध्य कैरियर प्राथमिकता के दूरसंचार व पत्रकारिता, कला व प्रारूप, कृषि, वाणिज्य व प्रबंध, रक्षा, पर्यटन व सत्कार उद्योग, कानून व व्यवस्था, शिक्षा क्षेत्रों में रूचि में सार्थक अंतर नहीं पाया गया जबकि कैरियर प्राथमिकता के विज्ञान व तकनीकी, चिकित्सा क्षेत्रों में रूचि में सार्थक अंतर पाया गया तथा उच्च बौद्धिक स्तर वाली छात्राओं में, निम्न बौद्धिक स्तर वाली छात्राओं की तुलना में कैरियर प्राथमिकता के विज्ञान व तकनीकी, चिकित्सा क्षेत्रों में बेहतर रूचि पाई गई।

**निष्कर्ष**

माध्यमिक स्तर की उच्च एवं निम्न बौद्धिक स्तर वाली छात्राओं के मध्य कैरियर प्राथमिकता के दूरसंचार व पत्रकारिता, कला व प्रारूप, कृषि, वाणिज्य व प्रबंध, रक्षा, पर्यटन व सत्कार उद्योग, कानून व व्यवस्था, शिक्षा क्षेत्रों में रूचि में सार्थक अंतर नहीं पाया गया जबकि कैरियर प्राथमिकता के विज्ञान व तकनीकी, चिकित्सा क्षेत्रों में रूचि में सार्थक अंतर पाया गया तथा उच्च बौद्धिक स्तर वाली छात्राओं में, निम्न बौद्धिक स्तर वाली छात्राओं की तुलना में कैरियर प्राथमिकता के विज्ञान व तकनीकी, चिकित्सा क्षेत्रों में बेहतर रूचि पाई गई।

**// संदर्भ ग्रंथ सूची //**


1. भटनागर, आशा एवं गुप्ता, निर्मला (1999) : **गाइडेंस एण्ड काउंसलिंग – ए थ्योरिटिकल प्रसपैक्टिव,** विकास पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
2. भटनागर, आर.पी. (2001) : **गाइडेन्स एण्ड काउंसलिंग इन एजुकेशन एण्ड साइकोलॉजी,** आर. लाल बुक डिपो, मेरठ
3. गुप्ता, एस. पी. (2005) : **सांख्किीय विधियां,** शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद
4. **Afshan (1991)** "Gifted rural and urban girls : Their vocational interest and creativity", M.Phil ., Edu. Univ. of Kashmir , Vth Survey of research in education, 1988-1992 , Vol - 2, pg. 1339.

5. **Baghel, Hemlata and Chaturvedi, Vandana (2013)** "Impact of Personality and Socio-Economic status towards Vocational interests of Secondary School Students", *Journal of multidicsiplnary educational research (JMER), Volume I, Issue I, January 2013, Pg. No. 44-48*
6. Bhargava, Vivek and Bhargava, Rajshree (2001): **Manual of Career Preference Record (CPR),** *Har Prasad Institute of Behaviourial studies, Agra.*
7. **Bhardwaj, R.L. (1978)** "Vocational interests as functions of creativity components, intelliguce and socio- economic status among college going students", Ph. D., Psy. Agra Univ., IV the survey of research in edu. Vol. –I ,1983-88 Pg.-342-344,S.No. 355
8. **Gautam, Vimlesh (1988)** "An investigation into the educational and vocational interest of students at the delta stage, and this implications for future curricula", *Ph.D.,Edu. Univ. of Lucknow , V th Survey of research in education , Vol. -2, Pg.No. 1513 – 14*
9. **Katuria, P.R. (1982)** "Scholastic achievement and vocational intesests as related to prolonged deprivation", *Ph. D. Psy. RSU., IV Survey of research in edu. 1983 – 88, Vol. I , Pg. No. 161 ,S.No. 135.*
10. **Mary, John (1981)** "Futuro pesspeetive, self concept, and vocational interest of adolescent" Ph.D. Psy, Madras U. , IV th survey of research in Edu. , Vol – 2 , 1983 -88 ,Pg No. 535 , S.No. 597 .
11. **Mohapatra, Manjula Manjari (2004) "**Prediction of vacational interests of +2 students in relation to their values, Occupational Aspiration level and academic achievements", Asian journal of psychology and education, vol. 37, No.1-2, Pg. No. 22-24
12. **Pandey, A. (1970)** "A Study of Adjustment, Personality, Values and Vocational Interest of Supernormal and Normal Adolescents", *Ph.D. Psy., Agra U., in Third Servey of Research in Education (1978-1983), Pg. No. 389*
13. **Saheb, S.J. (1980)** "A study of academic & non academic abilities in relation to the vocational interest of the entrants to the + 2 stage of schools in family nadu", Ph.D. Edu. , MKU.IV survey of research in education, vol-II 1983-88, Pg No. 1292-1293.
14. **Sharma, S. (1986)** "Family and peer group influence on the vocational interests of the gifted adolescents studying in different types of schools", *Ph. D.Edu. Pan.U., IV th survey of Edu. Research, Vol- 1 1983 -1988, Pg. 539.*
15. **Tomar, J.P.S. (1985)** "A study of occupational interest trends of adolescents and their relation with prevaleut job trends of employment in eastern uttar Pradesh", *Ph.D. Edu. Avadh Univ. IV th Survey of research in education, Vol. I, 1983.*